मुख्य समाचार :–

- अल्मोड़ा जिले की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुनी जनसमस्याएं, त्वरित समाधान के निर्देश दिए।
- आपदा प्रबंधन और जटिल बचाव अभियानों में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड एसडीआरएफ को अमेरिकी दूतावास ने सम्मानित किया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा– पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में ए.आई कारगर माध्यम बनेगा।
- खेल मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार में मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी का शुभारंभ किया।

बहुउद्देशीय शिविर

प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत आज अल्मोड़ा जिले में ताड़ीखेत विकासखंड की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित लोगों से बातचीत करते हुए प्राप्त शिकायतों पर एक–एक कर चर्चा की और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़–भाग न करनी पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। शिविर के दौरान पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

एसडीआरएफ सम्मान

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रतिवादन बल– एसडीआरएफ ने एक बार फिर अपनी पेशेवर दक्षता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है। आपदा प्रबंधन और जटिल बचाव अभियानों में असाधारण सेवा के लिए अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ को विशेष स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अमेरिकी दूतावास द्वारा प्रदान किए गए स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र को एसडीआरएफ के सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने ग्रहण किया। यह सम्मान विशेष रूप से उन साहसिक बचाव अभियानों के लिए दिया गया है, जिनके अंतर्गत उत्तराखंड में पर्यटन के दौरान विषम परिस्थितियों में फंसे अमेरिकी पर्यटकों सहित अन्य विदेशी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इन अभियानों में चमोली जिले के माउंट चौखंबा में फंसी दो विदेशी महिला ट्रैकर्स, बदरीनाथ क्षेत्र के वसुधारा में फंसे विदेशी ट्रैकर्स और गंगोत्री जैसे उच्च हिमालयी क्षेत्रों में संचालित बचाव अभियान प्रमुख रहे। प्रभावी समन्वय, सटीक रणनीति और समयबद्ध निर्णयों के कारण सभी अभियान सुरक्षित रूप से संपन्न हुए। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान न केवल एसडीआरएफ की कार्यकुशलता, विश्वसनीयता और मानवीय दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, बल्कि वैश्विक मंच पर बल की सुदृढ़ और पेशेवर पहचान को भी और अधिक मजबूत करता है।

भालू हमला

चमोली जिले के पोखरी विकासखण्ड के अंतर्गत विद्यालय परिसरों के समीप भालू के हमले में घायल पीड़ित छात्र से आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दूरभाष पर बातचीत कर हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उपचार व सुरक्षा के हर स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने घटना के दौरान अदम्य साहस, सूझबूझ और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए भालू से बच्चों की जान बचाने वाली साहसी छात्राओं– दिव्या और दीपिका से भी बातचीत की। उन्होंने छात्राओं की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में जिस साहस, धैर्य और जिम्मेदारी का परिचय उन्होंने दिया है, वह पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और वन विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से गश्त बढ़ाने, विद्यालयों, आंगनबाड़ियों और आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा के अतिरिक्त पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए सभी आवश्यक व प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लिए बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और नागरिकों की जान–माल की रक्षा के लिए सरकार हर परिस्थिति में पूरी प्रतिबद्धता और कठोरता के साथ कार्य करेगी।

लोकभवन / एआई

लोक भवन में आज "स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का प्रभावी उपयोग" विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीआरएमआईटी, बेंगलुरु के मुख्य परिचालन अधिकारी सी.वी. वेंकट सुब्रह्मण्यम ने चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस– एआई की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए एआई आधारित एप्लिकेशन "धनवंतरी" के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। वहीं एम्स ऋषिकेश के यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल ने एआई की सहायता से निदान और उपचार की आधुनिक विधियों तथा यूरोलॉजिकल कैंसर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि ए.आई केवल एक तकनीकी नवाचार नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी व भरोसेमंद बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पहाड़ी व दूरस्थ क्षेत्रों में अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से जो भी विशेषज्ञों के सुझाव आएंगे उन्हें लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी

खेल मंत्री रेखा आर्या ने आज हरिद्वार के योगस्थली खेल परिसर में मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी का शुभारंभ किया। खेल महाकुंभ को इस साल नए प्रारूप में मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता न्याय पंचायत, विधानसभा क्षेत्र, संसदीय क्षेत्र और राज्य स्तरीय चार चरणों में आयोजित की जा रही है। इसमें लगभग दो लाख खिलाड़ी भाग लेंगे। उद्घाटन अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि प्रतियोगिता में इस बार 26 खेल स्पर्धाएं रखी गई हैं, जिनमें आधुनिक खेलों के साथ परंपरागत खेलों को भी शामिल किया गया है। खेल मंत्री ने बताया कि सांसद ट्रॉफी जीतने वाली टीम को दो लाख और विधानसभा ट्रॉफी जीतने वाली टीम को एक लाख रुपये की नगद पुरस्कार राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सरकारी नौकरियों में चार प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

यूसीसी / कार्यक्रम

नैनीताल जिले के हल्द्वानी स्थित पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में समान नागरिक संहिता– यूसीसी पर जागरुकता को लेकर आज जिला स्तरीय साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम में जिले के आठों विकासखण्डों से आए विद्यार्थियों ने यूसीसी की प्रासंगिकता व आवश्यकता विषय पर निबंध लेखन, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी और वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य यूसीसी के अंतर्गत सम्पन्न हुए विवाहों के पंजीकरण और अन्य प्रावधानों का आम जनमानस में प्रचार–प्रसार करना है।